भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 4586

जिसका उत्तर 20 अगस्त, 2025 को दिया जाना है

कोयला खदान से जुड़ी अनुसंधान और विकास परियोजनाएं

4586. श्री भर्तृहरि महताबः

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या कोयला खदान मीथेन निष्कर्षण या भूमिगत कोयला गैसीकरण पर कोई अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) परियोजनाएं शुरू की गई हैं; और

(ख) यदि हां, तो इन क्षेत्रों में विशेष रूप से ओडिशा में वर्तमान में चल रही या हाल ही में पूरी हुई प्रमुख अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कोयला एवं खान मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख) : मैसर्स एर्गो एक्सर्जी टेक्नोलॉजीज इंक. (ईईटीआई), कनाडा, सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल) और ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) द्वारा ईसीएल, झारखंड के कस्ता वेस्ट ब्लॉक में ''भारतीय भू-खनन पारिस्थितियों में प्रौद्योगिकी स्थापित करने के लिए भूमिगत कोयला गैसीकरण (यूसीजी) पर एक प्रायोगिक परियोजना'' नामक एक अनुसंधान एवं विकास परियोजना शुरू की गई है। परियोजना का पहला चरण दिनांक 31.05.2025 को पूरा हुआ और परियोजना का दूसरा चरण दिनांक 20.06.2025 को 15 माह की अवधि हेतु शुरू हुआ।

सीएमपीडीआई और राष्ट्रमंडल वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान संगठन (सीएसआईआरओ), आस्ट्रेलिया द्वारा ''कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) कमान क्षेत्रों के भीतर सीएमएम संसाधन के निष्कर्षण हेतु क्षमता निर्माण'' नामक कोयला खान मीथेन निष्कर्षण पर एक अनुसंधान

परियोजना शुरू की गई थी। यह अनुसंधान परियोजना वर्ष 2022-23 के दौरान पूरी हुई। इस परियोजना के तहत, उन्नत उपकरणों, मोबाइल परीक्षण इकाई और जलाशय मॉडलिंग उपकरणों की संस्थापना के माध्यम से सटीक और तीव्र सीएमएम/सीबीएम क्षमता मूल्यांकन के लिए सीएमपीडीआई की क्षमता को उन्नत किया गया था।

तथापि, आज तक ओडिशा में कोयला खान मीथेन निष्कर्षण अथवा भूमिगत कोयला गैसीकरण से संबंधित कोई अनुसंधान परियोजना शुरू नहीं की गई है।

*****